ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने ऋषि सुनक

भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री बने सुनक, बीते 210 सालों में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री, पर चुनौतियां हैं बढ़ी

ऋषि सुनक ने मंगलवार को महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ मुलाकात के बाद औपचारिक रूप से भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इसके साथ ही उन्होंने वादा किया कि वह संकटग्रस्त देश की जरूरतों को 'राजनीति से ऊपर' रखेंगे और अपने पूर्ववर्ती द्वारा की गई 'गलतियों को दुरुस्त' करेंगे। सुनक को दीवाली के दिन निर्विरोध कंजर्वेटिव पार्टी का नया नेता चुना गया था।

ब्रिटेन के पूर्व वित्त मंत्री सुनक (42) हिंदू हैं और वह पिछले 210 साल में ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। पेशे से बैंकर रहे सुनक ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर अपने पहले संबोधन में कहा कि उन्होंने ऐसे समय में कार्यभार संभाला है जब ब्रिटेन 'गंभीर आर्थिक संकट' का सामना कर रहा है। उन्होंने इसकी वजह कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध को बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह इन चुनौतियों का सामना करने में सफल होंगे। सुनक ने जोर दिया कि उन्होंने जिस उच्च पद को स्वीकार किया है, उससे वह 'दबाव में नहीं' हैं। सुनक ने अपनी पूर्ववर्ती लिज ट्रस के संबंध में कहा, 'मैं बदलाव लाने के लिए उनकी बेचैनी की सराहना करता हूं। लेकिन कुछ गलतियां हुईं। वे गलतियां किसी दुर्भावना या गलत इरादों से नहीं हुईं.... लेकिन फिर भी गलतियां हुईं।'

महीनों की राजनीतिक एवं आर्थिक उथल-पुथल के बाद ब्रिटेन में स्थिरता पर जोर देते हुए सुनक ने कहा कि उन्हें उनकी पूर्ववर्ती लिज ट्रस द्वारा की गई 'गलतियों को दुरुस्त करने' के लिए कंजर्वेटिव पार्टी का नेता और प्रधानमंत्री चुना गया है। उन्होंने कहा, 'वह काम तुरंत शुरू किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने देश को कथनी से नहीं, बल्कि करनी से एकजुट करूंगा। मैं आपके लिए दिन-रात काम करूंगा। हम एकजुट होकर अविश्वसनीय चीजें हासिल कर सकते हैं।'

सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस के सह-संथापक नारायण मूर्ति के दामाद सुनक ने 'आने वाले दिनों में कठोर फैसले' के लिए आगाह किया। महामारी के दौरान बतौर वित्त मंत्री अपनी उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए वादा किया कि वह आगे भी चुनौतियों को लेकर उसी तरह सहानुभूतिपूर्ण तरीके से निपटने का प्रयास करेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने उन्हें बधाई देते हुए ट्वीट किया, 'इस ऐतिहासिक दिन पर ऋषि सुनक को बधाई, यह हर कंजर्वेटिव के लिए हमारे नए प्रधानमंत्री को अपना पूरा और दिल से समर्थन देने का क्षण है।' इससे पहले सुबह, निवर्तमान प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपनी अंतिम कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की और उसके बाद उन्होंने महाराजा चार्ल्स तृतीय (73) को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंप दिया। उसके बाद सुनक महाराजा से मुलाकात के लिए राजमहल पहुंचे, जहां उन्हें ब्रिटेन के 57वें प्रधानमंत्री के रूप में नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया।

जब सुनक बतौर प्रधानमंत्री, पहली बार अपना संबोधन दे रहे थे, उस समय उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति और बेटियां कृष्णा और अनुष्का उनके साथ नहीं थीं। सुनक इस संबोधन के बाद अपने मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में अधिकारियों के साथ बैठक करने चले गए। ब्रिटिश फ्यूचर थिंक-टैंक के निदेशक सुंदर कटवाला ने कहा, 'ऋषि सुनक का भारतीय मूल का पहला ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनना एक ऐतिहासिक क्षण है। यह एक या दो दशक पहले संभव नहीं हो पाता... लेकिन हमें इस महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन को कम करके नहीं आंकना चाहिए।' कैंटरबरी के आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी ने ब्रिटेन के निवासियों से आग्रह किया कि वे ऋषि सुनक के लिए प्रार्थना करें क्योंकि सुनक चुनौतीपूर्ण समय में प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाल रहे हैं। उन्होंने ऐसे समय देश की बागडोर संभाली है जब ब्रिटेन धीमी गति से विकास, उच्च मुद्रास्फीति, यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी और बजट घाटा जैसे मुद्दों से जूझ रहा है। इसके अलावा उनके सामने अपनी पार्टी के विभिन्न धड़ों को भी एकजुट करने की चुनौती होगी।

स्कोप रेटिंग्स के ईको सिवेर्टो ने कहा,'2023 में आर्थिक मंदी बढ़ने की आशंका बढ़ गई हैं और अगले आम चुनाव केवल दो साल दूर हैं। ऋषि सुनक को बतौर प्रधानमंत्री चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।' सुनक ने अपने सहयोगियों को चेताया है कि वे 'अस्तित्व संबंधी चुनौती' का सामना कर सकते हैं। यदि सहयोगियों ने देश को बढ़ती मुद्रास्फीति और रिकार्ड ऊर्जा बिल से निपटने में मदद नहीं की तो कई घरों और कारोबारों को अपने खर्चे में मजबूरन कटौती करनी पड़ेगी। **एजेंसियां**

सुनक को दीवाली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया

- सुनक ने अपने संबोधन में लिस ट्रस को घेरा
- सुनक ने कहा कि मैं दिन-रात काम करूंगा। हम एकजुट होकर अविश्वसनीय चीचें हासिल करेंगे
- भारत की प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस के सह-संस्थापक मूर्ति के दामाद हैं ऋषि सुनक
- पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का ट्वीट, इस ऐतिहासिक दिन के लिए सुनक को बधाई
- सुनक ने आने वाले दिनों में कठोर फैसले के लिए आगाह किया

ब्रिटिश मीडिया में सराहना भी और आलोचना भी

ब्रिटेन के प्रथम गैर-श्वेत प्रधानमंत्री बन कर इतिहास रचने वाले भारतीय मूल के ऋषि सुनक को मंगलवार को सराहना और आलोचना, दोनों का सामना करना पड़ा।

कुछ मीडिया संस्थानों ने उनके नेतृत्व को देश के लिए 'नई सुबह' बताया जबकि अन्य ने उनकी 'जीत की वैधता' पर सवाल उठाए हैं। ब्रिटेन में सुनक हर बड़े अखबारों के प्रथम पृष्ठ की प्रमुख खबर रहे। 'द गार्डियन' ने कंजरवेटिव पार्टी के 42 वर्षीय नेता की एक तस्वीर के साथ शीर्षक लगाया, 'एकजुट हो जाओ, अन्यथा खत्म हो जाओगे- सुनक की टोरी सांसदों को चेतावनी।' तस्वीर में यह देखा जा सकता है कि लंदन स्थित पार्टी के मुख्यालय में उनका एक नायक की तरह स्वागत किया जा रहा है। खबर में यह उल्लेख किया गया है कि सुनक दो महीनों के अंदर तीसरे और छह वर्षों में पांचवें कंजरवेटिव (पार्टी से) प्रधानमंत्री होंगे। खबर में कहा गया है, 'वह प्रथम हिंदू के तौर देश का नेतृत्व कर भी इतिहास रचेंगे।' 'द मेल' ने शीर्षक लगाया, 'ब्रिटेन के लिए एक नई सुबह'। साथ ही, उप-शीर्षक में लिखा : 'ऋषि सुनक हमारे सबसे युवा आधुनिक प्रधाानमंत्री बने।' 'द सन' ने लिखा, 'आपके पास ताकत है, ऋषि।' साथ ही, मुख्य तस्वीर में उन्हें एक 'लाईटसबेर' पकड़े दिखाया गया है। लाईटसबेर प्रकाशपुंज वाली काल्पनिक तलवार है। हालांकि सभी मीडिया संस्थान सुनक के ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बनने से खुश नहीं हैं। सुनक पर करारा प्रहार करते हुए 'द मिरर' ने अपना शीर्षक लगाया, 'हमारे नए गैर-निर्वाचित प्रधानमंत्री' लेकिन 'आपके लिए किसने वोट दिया?' उन्हें महाराजा (चार्ल्स तृतीय) से दोगुना धनी बताते हुए इसकी मुख्य खबर में कहा गया है कि वह (सुनक) अब 'निर्मम सार्वजनिक व्यय कटौती का नेतृत्व करेंगे।'

'लोकतंत्र की समाप्ति' शीर्षक के साथ स्कॉटलैंड के 'डेली रिकॉर्ड' ने सुनक की कहीं अधिक आलोचना की।

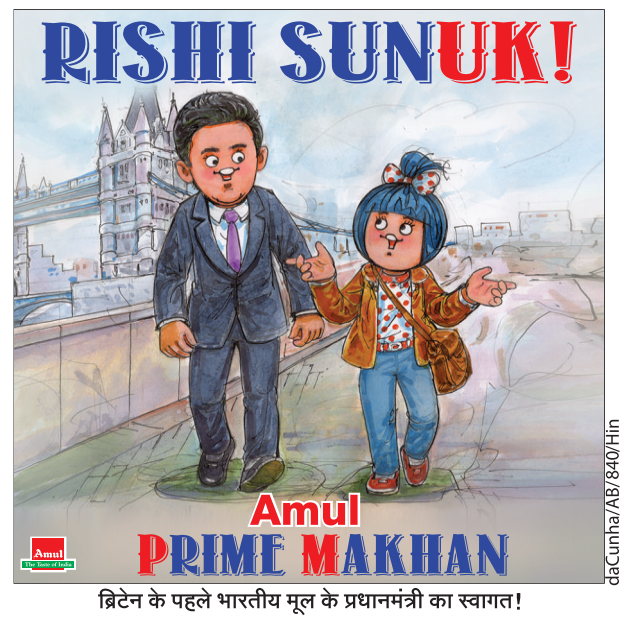

ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री का स्वागत!

व्हाट्सऐप दो घंटे बाद बहाल हुआ

बीएस/भाषा

भारत और दुनियाभर में सोशल मीडिया मंच व्हाट्सऐप की सेवाओं में व्यवधान रहा और सेवाएं करीब दो घंटे बाद बहाल हुईं। मेटा ने सेवा बहाली की पुष्टि करते हुए कहा,'हमें जानकारी है कि लोगों को व्हाट्सऐप पर संदेश भेजने में आज समस्या हुई थी। हमने समस्या को दुरुस्त कर दिया गया है। असुविधा के लिए हमें खेद है।' कंपनी ने इस बारे में 'तकनीकी समस्या' के अलावा कोई और जानकारी साझा नहीं की है।

कंपनी की सेवाएं बाधित होने का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसका मतलब यह भी था कि इस अवधि के दौरान व्हाट्सऐप की बिजनेस सेवाएं और व्हाट्सऐप की पेमेंट सेवाएं भी बाधित हुई थीं। डाउनडेटेक्टर वेबसाइट ने बताया कि करीब 29,000 उपयोगकर्ताओं ने व्यवधान की शिकायत की। डाउनडेटेक्टर हीटमैप ने दिखाया कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और कोलकाता सहित प्रमुख शहरों में व्हॉट्सऐप उपयोगकर्ता सेवाओं में व्यवधान से प्रभावित थे। इस बीच, ट्विटर पर 'हैशटैग व्हॉट्सऐप डाउन' ट्रेंड करने लगा और कई उपयोगकर्ताओं ने इस मुद्दे पर मजेदार मीम शेयर किए। दुनियाभर में व्हाट्सऐप के 2 अरब उपयोगकर्ता हैं। भारत में व्हाट्सऐप के 40 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं और 1.5 करोड़ से अधिक लोग वाट्सऐप के स्माल बिज़नेस ऐप का इस्तेमाल करते हैं। बिज़नेसऑफऐप्स.कॉम के मुताबिक व्हाट्सऐप पर रोजाना 100 अरब से अधिक संदेश भेजे जाते हैं।

दीवाली पर मिले ज्यादा ऑर्डर लेकिन शिवकाशी को राहत नहीं

रसायनों के प्रयोग पर प्रतिबंध से पटाखा उद्योग की परेशानियां और बढ़ती जा रही हैं, उद्योग जगत ने सर्वोच्च न्यायालय से राहत की अपील की है

शाइन जैकब

तमिलनाडु के शिवकाशी में स्थित पटाखा उद्योग को महामारी के दो साल के नुकसान के बाद इस बार 30 फीसदी बढ़ोतरी के साथ ऑर्डर मिले, लेकिन इससे कारोबार अभी पटरी पर नहीं आ पाया है। देश में सबसे अधिक पटाखे शिवकाशी में ही बनाए जाते हैं।

निर्माता चाहते हैं कि सरकार बेरियम नाइट्रेट के उपयोग पर प्रतिबंध हटा दे और दीवाली के दौरान पटाखे जलाने की अनुमति दे। उन्होंने कहा कि पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाले ऑक्सीकरण एजेंट बेरियम नाइट्रेट पर प्रतिबंध से फुलझड़ी (स्पार्कलर), घूमने वाली चकरी और अनार जैसे पटाखों के निर्माण पर असर पड़ा है। सोनी फायरवर्क्स के निदेशक और तमिलनाडु फायरवर्क्स अमोर्सेस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पी गणेशन ने कहा कि बेरियम के बिना इन उत्पादों की गुणवत्ता कम हो जाती है। इसके अलावा, प्रतिबंध लगने के कारण इस वर्ष अवैध पटाखों की बिक्री में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस वर्ष उनकी बिक्री में 30 फीसदी का इजाफा हुआ है।।

गणेशन ने उम्मीद जताई कि दीवाली के उत्सव के बाद सर्वोच्च न्यायालय और सरकार बेरियम पर फैसला लेंगे। पटाखा उद्योग के लगभग 60 फीसदी उत्पाद

बेरियम नाइट्रेट पर प्रतिबंध के कारण फुलझड़ी, चकरी व अन्य पटाखों के निर्माण पर असर पड़ा

बेरियम नाइट्रेट का उपयोग करके बनाए जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में इसपर प्रतिबंध की पुष्टि की और उद्योगों को इसका उपयोग न करने के लिए कहा।

एसोसिएशन के अनुसार, शिवकाशी और उसके आसपास लगभग 1,070 विनिर्माण इकाइयां हैं, जो लगभग 6,000 करोड़ रुपये का उद्योग का हिस्सा हैं। एसोसिएशन के अनुमानों के आधार पर, शिवकाशी में कम से कम आठ लाख लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पटाखे और इसके संबद्ध उद्योगों जैसे- छपाई और पैकिंग से जुड़े हैं। उद्योग की कंपनियों ने कहा कि बेरियम पर सर्वोच्च न्यायालय के प्रतिबंध के कारण, कोविड -19 से पहले के स्तर की तुलना में कुल व्यापार की मात्रा कम हो गई है।

शिवकाशी फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के मुरली असैतंबी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बेरियम और नो ज्वाइन क्रैकर के बगैर केवल हरित पटाखों के साथ नैतिक रूप से व्यवसाय कर रहा है तो उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद व्यवसाय में कुल 30-60 फीसदी की कमी आती है। हालांकि इस क्षेत्र में अवैध विनिर्माण में वृद्धि हुई है लेकिन इसकी निगरानी के लिए प्रशासन के पास कोई व्यवस्था नहीं है।

कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि से उद्योग को काफी घाटा हो रहा है। पोटैशियम और स्ट्रॉनशियम नाइट्रेट की कीमतों में दो गुना और अन्य वस्तुओं की कीमतों में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। असैतंबी ने कहा कि इस साल, बाजार असंगठित क्षेत्र में स्थानांतरित हो गया है, क्योंकि वे हरित दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं, और इसके साथ उनकी कोई जवाबदेही भी नहीं है। चाहे वह विस्फोटक विभाग हो, पुलिस या सरकार के अन्य विभाग, इस बढ़ते अवैध क्षेत्र की जांच कोई भी नहीं कर रहा है।

पिछले तीन वर्षों से, पटाखा उद्योग राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई) द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर केवल ग्रीन पटाखे बना रहा है, जिससे वायु प्रदूषण में 30 फीसदी की कमी आने की उम्मीद है।

दीवाली पर खराब हुई हवा, इस बार कम

रामवीर सिंह गुर्जर

दिल्ली में इस दीवाली में भी प्रदूषण की मार पड़ी है और प्रदूषण स्तर बहुत खराब श्रेणी में रहा। हालांकि राहत की बात यह रही कि प्रदूषण का स्तर पिछली दीवाली से कम रहा। दीवाली के अगले दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक बीते पांच साल के दौरान सबसे कम रहा। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आज से 150 मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन चलाने की शुरुआत कर दी है। इस बीच बीते डेढ़ माह के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में कमी दर्ज की गई है।

दीवाली पर इस बार आग लगने की घटनाएं ज्यादा हुईं। जानकारों के मुताबिक इस साल दीवाली पर पिछले साल की तुलना में कम पटाखे चलने के साथ हवा चलने के कारण प्रदूषण स्तर में कमी आई है। हालांकि आतिशबाजी पर प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली के कई हिस्सों में लोगों ने पटाखे चलाए, लेकिन पिछले दो वर्षों की तुलना में इसकी तीव्रता कम दिखाई दी।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस साल दीवाली की अगली सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बीते पांच साल में सबसे कम रहा है। पिछली दीवाली की तुलना में इस सूचकांक में करीब 30 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में इस साल दीवाली की अगली सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 323 दर्ज किया गया। वर्ष 2021 में दीवाली की अगली यह सूचकांक 462, वर्ष 2020 में 435, 2019 में 367 और वर्ष 2018 में 390 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई दोपहर 12:30 बजे 317 था। पडोसी शहरों में इस समय गाजियाबाद का यह सूचकांक 270, नोएडा का 305, गुरुग्राम का 307 और फरीदाबाद का 305 था। पड़ोसी शहरों के वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब से बहुत खराब श्रेणी के दायरे में रहे हैं। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' तथा 401 और 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। सीपीसीबी के मुताबिक सोमवार को दीवाली पर दिल्ली का एक्यूआई 4 साल में सबसे अच्छा था और इस त्योहार की तारीख के लिए सात साल में दूसरा सबसे अच्छा था। हवा की गुणवत्ता रात में गिर गई जब राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पाबंदी के बावजूद पटाखे चलाए गए। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी ऐंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के अनुसार आधी रात को दिल्ली का एक्यूआई 365 के साथ बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में पिछली दीवाली पर एक्यूआई 382 दर्ज किया गया था, जो 'गंभीर' से कुछ ही कम था।

रोक के बावजूद चले पटाखे

- दीवाली पर वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा
- दीवाली की अगली सुबह 5 साल में सबसे कम प्रदूषित
- धूल प्रदूषण नियंत्रित करने को दिल्ली सरकार ने उतारी 150 मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन
- पराली जलाने के मामलों में कमी, आग लगने की घटनाएं बढ़ीं

मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन रोकेंगी धूल प्रदूषण

दिल्ली सरकार ने सर्दियों में बढ़ने वाले खासकर धूल प्रदूषण को कम करने के लिए मंगलवार से मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन चलाने की शुरुआत की है। पर्यावरण मंत्री राय ने बताया कि पिछले साल सर्दियों में धूल प्रदूषण को रोकने के लिए 10 मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन चलाए गए थे। जिसके अच्छे परिणाम सामने आए। इसलिए दिल्ली सरकार ने इस साल सभी 70 विधानसभाओं में ये गन चलाने का निर्णय लिया है और दिल्ली में धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 150 मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन की शुरुआत की गई है। ये मोबाइल ऐंटी स्मॉग गन पानी का छिड़काव कर धूल प्रदूषण के कारण बढ़ने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगे।

पराली जलने की घटनाओं में आई कमी

इस बार पराली जलने की घटनाओं में कमी देखी जा रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा धान के अवशेष जलाने की घटनाओं की वास्तविक समय की निगरानी के अनुसार धान उगाने वाले छह राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली में 15 सितंबर से 25 अक्टूबर के बीच 7,842 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गईं। पिछले साल इसी अवधि के दौरान 8,762 पराली जलने के मामले दर्ज किए गए थे।

इस दीवाली 32 प्रतिशत बढ़ी आग की दुर्घटनाएं

दिल्ली में इस दीवाली पर आग लगने की घटनाएं पिछली दीवाली से अधिक दर्ज की गईं। दिल्ली अग्निशमन विभाग को दीवाली के अवसर पर आग लगने की घटनाओं से संबंधित 201 कॉल मिलीं, जो पिछले साल की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक हैं।

हवाई यात्रियों की घट गई तादाद

सचिन मामपट्टा और कृष्ण कांत

दीवाली का त्योहार करीब आने से आर्थिक गतिविधियों से जुड़े कुछ साप्ताहिक संकेतकों में गिरावट के रुझान देखे गए। भारतीय रेल ने माल ढुलाई की मात्रा में कम वृद्धि दर्ज की है। पिछले हफ्ते माल ढुलाई में 2 फीसदी की तेजी रही जबकि उससे एक हफ्ते पहले यह तेजी करीब 5.9 फीसदी थी। माल ढुलाई से होने वाली कमाई में भी 10.5 फीसदी तक की तेजी रही। उससे पिछले हफ्ते यह 12.4 प्रतिशत और उससे एक हफ्ते पहले 13.4 फीसदी तक थी।

वहीं हवाई यात्रियों की तादाद में 3.2 फीसदी की कमी देखी गई। विमानन कंपनियों ने पिछले हफ्ते रोजाना औसतन 362,000 यात्रियों के साथ उड़ान भरी। एक हफ्ते पहले इनकी संख्या 374,000 थी। रोजाना उड़ान भरने वाले विमानों की औसत संख्या 2,700 से अधिक रही। वैश्विक लोकेशन तकनीक कंपनी टॉम टॉम इंटरनैशनल के डेटा के मुताबिक दीवाली की सार्वजनिक छुट्टी होने की वजह से विभिन्न शहरों के यातायात में भारी कमी देखी गई। नई दिल्ली के यातायात में 2019 की तुलना में 72 फीसदी की कमी आई जबकि मुंबई के यातायात में 77 फीसदी की कमी थी।

आर्थिक संकेतकों में सबसे अधिक तेजी वाहनों की खरीदारी में दिखी और लोग पहले की तुलना में अधिक वाहन खरीद रहे हैं। गाड़ी खरीदने के साप्ताहिक आंकड़े ने 582,000 के स्तर को छू लिया। यह 2019 की समान अवधि के 511,000 गाड़ियों की बिक्री की तुलना में 14 फीसदी अधिक है। सर्च इंजन गूगल के 15 अक्टूबर तक के आवाजाही के रुझान से जुड़े डेटा उपलब्ध हैं। अनाम लोकेशन डेटा के आकलन के मुताबिक राज्यवार तरीके से आंकड़ों पर नजर डालने से यह अंदाजा मिलता है कि लॉकडाउन से पहले के दौर की तुलना में हर राज्य में कार्यस्थलों पर जाने वाले कर्मचारियों की तादाद में बदलाव दिख रहा है।

हालांकि ये आंकड़े विभिन्न राज्यों में तुलना करने लायक नहीं हो सकते हैं क्योंकि यहां काफी क्षेत्रीय अंतर है लेकिन इससे यह अंदाजा मिलता है कि हर राज्य अपने तरीके से कार्यस्थलों पर सामान्य माहौल बनाने की कोशिश में है।

विश्लेषण में महामारी से पहले के दौर में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर आधारित शीर्ष पांच राज्यों की अर्थव्यवस्था का जायजा लिया गया। महामारी से पहले के समय की तुलना में प्रत्येक राज्य में कार्यस्थलों पर जाने वाले लोगों की तादाद में 25 फीसदी की तेजी है।

पिछले हफ्ते देश में बिजली उत्पादन की कुल मात्रा स्थिर बनी रही। सात दिनों के औसत आधार पर कुल 388.8 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ जो पिछले से पिछले हफ्ते के 388.7 करोड़ यूनिट की तुलना में मामूली रूप से थोड़ा अधिक है। बिजली उत्पादन में कमी की वजह से 2019 की तुलना में यह अंतर बढ़ गया है।

अर्थव्यवस्था की साप्ताहिक तस्वीर का अंदाजा लगाने के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड इन संकेतकों का जायजा लेता है। वैश्विक स्तर के विश्लेषक समान तरह के संकेतकों पर नजर रखते हैं क्योंकि आधिकारिक वृहद अर्थव्यवस्था के आंकड़े देरी से जारी होते हैं। इन संकेतकों से अर्थव्यवस्था की अद्यतन तस्वीर का अंदाजा होता है जिसमें कोविड-19 की वजह से अनिश्चितता आई थी। यातायात के आंकड़े 24 अक्टूबर सोमवार सुबह के हैं। सर्च इंजन गूगल ने 15 अक्टूबर तक की आवाजाही के आंकड़े मुहैया कराए हैं।

C & C Constructions Limited - In Liquidation

CIN : L45201DL1996PLC080401

Corporate Office Address: Plot No. 70, Sector 32, Gurugram- 122001

Invitation for submission of a scheme under Section 230 of Companies Act,2013 read with Regulation 2B of Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016

I, as a liquidator of C&C Constructions Limited - in Liquidation, am inviting a scheme of compromise or arrangement under Section 230 of the Companies Act, from creditors or any class of creditors/ members or any class of them, of the said company.

Interested class of Creditors/Members can reach out to the liquidator at **liquidationofcnc@minervaresolutions.com.** Last date for submission of final scheme to liquidator shall be **90 days** from the order of liquidation dated October 7, 2022.

Date: 26-10-2022
Place: New Delhi

sd/-
Navneet Kumar Gupta
Liquidator